

पीएम मोदी को बार-बार अपशब्द क्यों कहती है कांग्रेस

■ हर बार उल्टा पड़ जाता है कांग्रेसियों का यह फूहड़ दाव

■ पीएम मोदी तो ऐसी गालियों से भी ताकत हासिल कर लेते हैं

पिछले साल 13 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में कहा था कि वह हर दिन दो-तीन किलो गाली खाते हैं, जो उनके शरीर में पोषण बन जाती है और इसके कारण ही उन्हें काम करने की ऊज़ा मिलती है। इसलिए हर कभी यक्कने नहीं। पीएम मोदी का यह बयान पहली नज़र में भले ही अगाधीर लगे, लेकिन हाल में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उनके दिवंगत माता-पिता को लेकर जो अमर्यादित टिप्पणी की, उससे उनकी बात सही लगने लगी है। आखिर कांग्रेस इतने ओछे व्यवहार पर क्यों उत्तर

आयी है। पिछले नौ साल के दौरान कई अवसरों पर पीएम मोदी को लेकर कांग्रेसियों ने अपशब्दों का इस्तेमाल किया। कभी नीच, तो कभी राशन कहा गया। पवन खेड़ा ने तो खैर तमाम सीमाएं उस समय लाघ दीं, जब उन्होंने पीएम मोदी के दिवंगत माता-पिता के खिलाफ

अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं, कांग्रेसियों ने सार्वजनिक रूप से मोदी की मौत की कामना करनेवाले नारे भी

फिर बड़ी गंभीर समस्या पैदा हो जायेगी। पीएम मोदी की लगातार बढ़ रही लोकप्रियता के इतना हताश कर दिया है कि अब उन्हें भाषायी मर्यादा का भी ध्यान नहीं रहा है। कहा जाता है कि जब मुझे नीची होते और सामने वाला कुसंस्कारी हो, तो वह गलियों के अनावा और दे भी क्या सकता है। पीएम मोदी के खिलाफ कांग्रेसियों की अमर्यादित टिप्पणियों के पीछे का कारण भी यही है। इस पूरे प्रकरण का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अडाणी-हिंडनवार्ड मामले में प्रेस कार्फेस के दैरेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। भाजपा की ओर से इस पर कड़ा एतराज जारी रहा। पवन खेड़ा ने कहा कि वह मोदी जी को लेकर भ्रातृता के लिए ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पवन खेड़ा इससे बाहर चला गया है। उन्होंने पीएम मोदी की आतंकियों के चुनाव में स्पष्ट रूप से बाहर दिया है। भारतीय जननामन सुरक्षारों से तुलना की थी। उनके खिलाफ उत्तरप्रदेश और असम में मामला दर्ज हुआ है। गुरुवार को दिल्ली

संसद में अभी हाल ही में प्रधानमंत्री का वह बयान भी इस



प्रकरण में महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने कहा कि देश देख रहा है, यह युजरात की जनता ने इस बार के आपत्तिजनक बयान दे चुके हैं। उन्होंने पीएम मोदी की आतंकियों को सहन नहीं करता है।

संसद में अभी हाल ही में प्रधानमंत्री का वह बयान भी इस

लगाये। कहा जाता है कि राजनीति में भाषा की मर्यादा का हमेशा ध्यान रखना चाहिए और यदि एक बार यह मर्यादा टूट जाए, तो

उपशब्दों का प्रयोग किया है, तब-तब उनकी लोकप्रियता और बढ़ी है और कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी।

अब फिर बात करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आखिर कांग्रेस के नेता अपशब्दों का प्रयोग क्यों करते हैं? इसका जवाब प्रधानमंत्री ने खुब दिलाया है। जनसभाओं में उन्होंने कहा था कि जिक्रों की हेराफेही करने वाले आज जमानत पर हैं इसलिए उनका गुस्सा मोदी पर रहता है और वे मोदी को दिन-रात अपशब्द कहते रहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सारे पुनर्जीवन खोने गये। वे कोर्ट चले गये। सुरक्षा कोर्ट ने कहा कि उनका सारी पुरानी फाइलें खोलने का भारत सरकार को हक है। नामदारों की चार पीढ़ी, चाचावाले के चार साल, आओ तुलना करें, किसने कितना किया। लेकिन कांग्रेस के पास मुंद्र नहीं हैं, कुसंस्कार भरे हैं और अहंकार सातवें आसमान पर है। इसलिए कांग्रेस अब भी मोदी को गाली देने पर आ गयी। वे कोर्ट से चल रहा है। कहाँ लेकर आये, उसकी चाचा करने को वह तैयार नहीं। जब मुंद्र नहीं होते, दरिद्र्य होता है, जब जब कुसंस्कार भरे पड़े होते हैं, तब जाकर के किसी की मां को गाली देने की हिम्मत आती है।

साहिबगंज डीसी ने बरहरवा रेल रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग पर लगायी रोक



रेलवे को होगा भारी नुकसान, प्रूषण निरासा के उद्देश्य से पिछले दिनों एक उच्च स्तरीय टीम आयी थी आजाद सिपाही संवाददाता बरहरवा। साहिबगंज डीसी ने जिले के सभी रेल रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया है। मालदा डिवीजन के बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की नहीं होगी। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की निर्देश दिया जाएगा। इससे रेलवे को होगी कार्रवाई की निर्देश दिया जाएगा।

डीसी रामनिवास यादव ने कहा कि साहिबगंज जिले में बरहरवा से मिजांगी तक शनिवार से रेलवे रैक प्वाइंट से स्टोन चिप्स की लोडिंग की न



गर्मी में बढ़ रहा बीमारियों का खतरा, हो जायें सावधान

गर्मी में कुछ आम बीमारियां होती हैं और ये तापमान बढ़ने के साथ तेजी से बढ़ती हैं। अगर आप खुद को और बच्चों को इससे बचाना चाहते हैं तो याद रखें, बाहरी खाने का प्रयोग बंद कर दें। बाहरी खाने से पौलिया, वायरल बुखर से लेकर डायरिया और फूड प्वाइजनिंग जैसी कई बीमारियों का खतरा बना रहता है। खानपान और थोड़ी सजगता से न केवल आप गर्मी की इन गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं बल्कि आप कई तरह के इंफेक्शन और स्किन डिजीज से भी अपनी और अपने परिवार की रक्षा कर सकते हैं।

गर्मी में इन बीमारियों का खतरा

लू लगना यारी हीट स्ट्रोक- गर्मी हवाओं से सबसे ज्यादा खतरा 'हाइपरथर्मिंग' का होता है। लंबे समय तक तेज धूप में रहने के कारण ये खतरा होता है। इसे आम भाषा में लू लगना भी कहते हैं। हीट स्ट्रोक होने पर सर में तेज दर्द, तेज बुखर, उल्टी, तेज सांस लेना, चक्कर आना, कमज़ोरी महसूस होना या बेहोश हो जाना,

यूरिन कम पास होना, जैसे लक्षण नजर आते हैं। इससे बचने के लिए कभी भी खाली पेट धूप से न निकलें और पानी आदि पीते रहें। धूप में हमेशा करने से बच कर रहा है। धूप में हमेशा करने से बच करना चाहिए और जल्दी न हो तो दोपहर 11 बजे से 4 बजे तक घर पर ही रहें।

फूड पॉइंजनिंग

गर्मियों में होने वाली सबसे कॉमन लेकिन गंभीर बीमारी है

फूड पॉइंजनिंग। आइस्क्रीम, दूधित भोजन या कटे फलों से ये सबसे ज्यादा बीमारियों में से एक है। इस मौसम में बाहर के खाने से बच कर रहा है। धूप में हमेशा करने से बच करना चाहिए। इस मौसम की अंगांका इन निकलें और जल्दी न हो तो दोपहर 11 बजे से 4 बजे तक घर पर ही रहें।

टायफाइड

टायफाइड भी गर्मी में होने वाली सबसे ज्यादा बीमारियों में से एक है। इसलिए यह बहुत खुले जूस या पानी पीने से बचें। टायफाइड में तेज बुखर, धूख ना लगाना, पेट में तेज दर्द होना, कमज़ोरी महसूस होना जैसे लक्षण नजर आते हैं। टायफाइड से बचाव के लिए वैक्सीन लगावाया जा सकता है।

मीजल्स

गर्मी में होने वाला एक और बहुत ही कॉमन बीमारी जिसे रेबेला या मोर्बिली के नाम से भी जाना जाता है। इसके फैलने के तरीका करीब करीब चिकित्सकों की काणों के बाहर निकलना है। यह पैरामाइक्सों वायरस से फैलता है जो गर्मी में सक्रिय होता है। लक्षण बतायें तो कफ, हाई फीवर, गले में दर्द, आंखों में जलन के साथ सबसे जलन भी होती है। इसलिए गर्मियों में अपने बांदी को कॉमन कनडे से हमेशा ढक कर रखें। कोई भी अंग खुला न रखें। बिना सनस्कीन या सनबर्न के लाये बाहर न निकलें।

पीलिया में लिवर इफेक्ट होता है और आंखे और नाशून ही नहीं यहिं पीली होने लगती है। पीलिया से बचने के लिए सबसे जलन भी होता है। लिवर को हेल्डी रखना चाहिए। पीलिया ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक खिचड़ी, दलिया लेना चाहिए। तेल से परहेज जितना हो सके उतना करना चाहिए।

सनबर्न

सनबर्न तेज धूप में बहुत देर तक रहने की वजह से हो जाता है। इसकी वजह से त्वचा की कोशिकाओं को तुकसान पहुंचता है और स्किन पर दर्दनाक चक्कर हो जाते हैं। स्किन काली और खुलसी सी नजर आती है। इसमें जलन भी होती है। इसलिए गर्मियों में अपने बांदी को कॉमन कनडे से हमेशा ढक कर रखें। कोई भी अंग खुला न रखें। बिना सनस्कीन या सनबर्न के लाये बाहर न निकलें।

इन बातों पर भी दें ध्यान

बच्चों या खुद को इन बीमारियों से बचाव के लिए धूप से बचायें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें ताकि वायरल इफेक्शन से बचा जा सके। वायरल बुखर और डायरियां से बचाने के लिए स्वच्छ पानी पीयें। पानी की कमी न होने दे। गर्मी के समय ठड़ी चीजें बर्फ के गोले, आइसक्रीम खाने से बचें। उल्टी-दस्त होने पर तत्काल उपचार करायें। डिस्कलेमर- आर्टिकल में सुझाये गये टिप्स और सलाह केवल आम जानकारी के लिए दिये गये हैं और इसे आजमाने से पहले किसी पेशेवर विकित्सक सलाह जरूर लें। किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने, एक्सरसाइज करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

स्किन पर रेश और घमौरी होना

गर्मी में पसीना ज्यादा निकलता है। ऐसे में अगर आप तंग कपड़े पहने हों या पसीना ठीक तरीके से शरीर से बाहर ना निकल पाए तो रिक्स पर रेश और घमौरियां हो जाती हैं जिनकी वजह से खुजली की समस्या हो जाती है। ऐसे में गर्मियों में हल्के रंग वाले ढीले कॉटन के कपड़े पहनें।

पीलिया

गर्मियों में ये बीमारी भी बहुत ही कम्पन है। यह भी दूधित पानी और दूधित खाना खाने से होता है।



KIDNEY HEALTH CLINIC
YOUR HEALTH OUR CONCERN

किडनी से संबंधित सभी बीमारियों के उपचार के लिए संपर्क करें

- एक्यूट किडनी इंजुरी ● क्रोनिक किडनी इंजुरी ● नेफ्रोटिक सिंड्रोम
- डायबिटिक किडनी डिजीज ● ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस ● एक्यूट इंटरस्टिशियल नेफ्रिटिस
- ड्रग इंडयूस्ड नेफ्रोपथी ● हेपटो-रीनल सिंड्रोम ● कार्डियो-रीनल सिंड्रोम
- कॉन्ट्रास्ट इंडयूस्ड नेफ्रोपथी

किडनी के इन संकेत को नजर अंदाज न करे

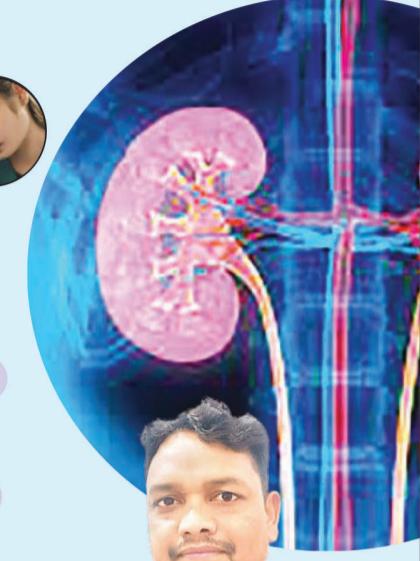
कमज़ोरी और थकान महसूस होना

भूख में कमी आना

त्वचा में सूखापन और खुजली

बार-बार पेशाब आना

टखने और पैरों में सूजन



DR. Arvind Charan Mangal
Consultant Nephrologist
किडनी रोग विशेषज्ञ

Call Now 8986723131
Balaji Bhawan, Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi

बिरसा आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर

सीताराम कम्प्लेक्स, थाना रोड, बुंदू

निःशुल्क मोतियांबिंद ऑपरेशन शिविर

प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार, सुबह 10:30 बजे से तोहफ़ 03:00 बजे तक

अनुभवी नेत्र सर्जन की टीम द्वारा फेको विधि से ऑपरेशन



आंखों से संबंधित बीमारियों के लक्षण

- * दूर एवं नजदीक में कम दिखाई देना
- * धूप में चमकना
- * आंखों में पानी आना
- * सिर में दर्द एवं चक्कर
- * आंखों में खुजली, जलन एवं एलर्जी
- * आंखों में मास बढ़ना (नखूना)



समर्पक करें : 9006359531 | अवित मूल्य पर चम्मा उपलब्ध

HELPING HANDS NURSING HOME

